समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया 2 लाख 7 हजार हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार

पंजाब केसरी

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब केसरी): सामाजिक संस्था पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष एवं सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की अगुवाई में सैक्टर 9ए स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर परिसर में सुंदर कांड व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गत मंगलवार के आयोजन में 450 श्रद्धालुओं ने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 श्रद्धालुओं ने 5-5, सुशांत लोक में 22 श्रद्धालुओं ने 7 बार और 2 योगा शिक्षकों सहित 40 श्रद्धालुओं ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गई है। बोधराज सीकरी ने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया । वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। उन्होंने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम है उजागर करने के लिए।

छोटीबड़ीबात
आज ही के दिन 1947 में अखिल भारतीय कांग्रेस ने नई दिल्ली में भारत के विभाजन के लिए ब्रिटिश योजना स्वीकार की थी।
दैनिक भास्कर
देश का विश्वसनीय अखबार
झांसी, जोधपुर, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

पर स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए आदि मौजूद रहे।

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग

- समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है। इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने

हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है गुरु गीता जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का ज़िक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया । वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते है। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा।गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोडिया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टन्डन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, राजेश चुग, किशोरी डुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लूथरा, अनिल कुमार, वासदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिंदर कथूरिया की उपस्थिति रही।

www.gurgaontoday.in

गुड़गांव टुडे

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

- बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग।
- युवा वर्ग को मिल रहा संस्कार रूपी ज्ञान।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रंथों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात उन्होंने यहां श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही।

गुरुग्राम में श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान अपना वक्तव्य देते बोधराज सीकरी।

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रंथ है गुरु गीता। जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस ज़माने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया। गुरु तत्व का ज्ञान दिया। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहां है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजी को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एसपी चंडोक, एससी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चित्तौड़िया, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

नये भारत का अखबार

गुड़गांव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकृत हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 14 जून। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया।

साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है गुरु गीता जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हज़ार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम है उजागर करने के लिए।

इस मंदिर की आधारशिला प्रातः स्मरणीय, परम पूजनीय स्वामी श्री सुधांशु जी महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। जिसका आभास इस प्रांगण की सकारात्मक ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गद्गद कर दिया। उन्होंने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि जिंदा जाता नहीं और मरा हुआ बताता नहीं तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है व इसकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्ग और नरक यहीं हैं। जब हम सात्विक वातावरण में सत्संग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं।

इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चितोडिया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टन्डन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, राजेश चुग, किशोरी डुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लूथरा, अनिल कुमार, वासदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिंदर कथूरिया की उपस्थिति रही।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग

युवा वर्ग को मिल रहा संस्कार रूपी ज्ञान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों-मुनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रंथों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है, क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात

गुरुग्राम में श्रीगौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान अपना वक्तव्य देते बोधराज सीकरी।

उन्होंने यहां श्रीगौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही। बोधराज सीकरी की हनुमान चालीस पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर दो लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या दो लाख 7 हजार पार कर गयी है।

बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रंथ है गुरु गीता। जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनिजी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो वैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया। गुरु तत्व का ज्ञान दिया। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया।

वो टेक्नोलॉजी कहां है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजी को संत पुरुष उजागर कर सकते है। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एचसी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोड़िया, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

गुरुग्राम केसरी

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : सीकरी

गुड़गांव, 14 जून (ब्यूरो): समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

आयोजन में सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है "गुरु गीता" जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हज़ार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार "अगस्त्य संहिता" में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते है।

इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम है उजागर करने के लिए।

इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा।गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोडिया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज की उपस्थिति रही।

RNI No. UPHIN/2013/53868

बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। सामाजिक संस्था पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष एवं सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की अगुवाई में सैक्टर 9ए स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर परिसर में सुंदर कांड व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गत मंगलवार के आयोजन में 450 श्रद्धालुओं ने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 श्रद्धालुओं ने 5-5, सुशांत लोक में 22 श्रद्धालुओं ने 7 बार और 2 योगा शिक्षकों सहित 40 श्रद्धालुओं ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गई है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ के बारे मे विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से 70 हज़ार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि।

कार्यक्रम में शामिल संस्था के पदाधिकारी व श्रद्धालु।

इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का ज़िक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते है। उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम है उजागर करने के लिए। इस मंदिर की आधारशिला स्वामी सुधांशु महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। बोधराज सीकरी ने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि जिंदा जाता नहीं और मरा हुआ बताता नहीं तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है। इसकी चर्चा बार-बार होती है। अत- स्वर्ग और नरक यही हैं। जब हम सात्विक वातावरण में सत्संग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं। गजेंद्र गौसोई ने संगीतमय शैली में पाठ किया, जिसमें गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एचसी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चित्तोडिया, पीपी मेहता का सहयोग रहा। गौरतलब है कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। इस अवसर पर जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एचएस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एसके खुल्लर, रामलाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डा. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टंडन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, राजेश चुग, किशोरी डुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लूथरा, अनिल कुमार, वासदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरेंद्र कथूरिया आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

- समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर
- युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित थिरान फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है गुरु गीता जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी वैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे शृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए। इस मंदिर की आधारशिला प्रातः स्मरणीय, परम पूजनीय स्वामी श्री सुधांशु जी महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। जिसका आभास इस प्रांगण की सकारात्मक ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गद्गद कर दिया। उन्होंने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि जिंदा जाता नहीं और मरा हुआ बताता नहीं तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है या इसकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्ग और नरक यहीं हैं। जब हम सात्विक वातावरण में सत्संग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चितौड़िया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज डींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टन्डन, तिलक चावला, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, राजेश चुग, किशोरी डूडेजा, सुरेंद्र खरेजा, दलीप लूथरा, अनिल कुमार, वासदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिंदर कचूरिया की उपस्थिति रही।

ज्योति दर्पण

Website : www.jyotidarpan.com

हिन्दी दैनिक

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-4-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जानपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 3-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 4ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है। इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है 'गुरु गीता' जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे गुरु मुनि जी ने जब माईक सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से बारह हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यन्ति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार 'अगस्त्य संहिता' में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार उन्होंने कहा विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए। इस मंदिर की आधारशिला प्रातः स्मरणीय, परम पूजनीय स्वामी श्री सुधांशु जी महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। जिसका आभास इस प्रांगण की सकारात्मक ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गदगद कर दिया। उन्होंने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि 'जिंदा जाता नहीं और मरा हुआ बताता नहीं' तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है हम इसकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्ग और नरक यहीं हैं। जब हम सात्विक वातावरण में सत्संग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रवृति के होते हैं तो हम नरक में हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाईं ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एस पी बंद्रोक, एस सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चिलोदिया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टन्डन, दीपक चावला, रमेश बुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गाबा, जगदीश सलूजा, राजेश पुरी, किशोरी जुनेजा, सुरिंदर खेड़ा, राजीव लूथरा, अनिल कुमार, बलदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिंदर काकरिया की उपस्थिति रही।

आज समाज
www.aajsamaaj.com

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि: बोधराज सीकरी

आज समाज नेटवर्क

गुरुग्राम। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रंथों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात उन्होंने यहां श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही। बोधराज सीकरी की हनुमान चालीस पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रंथ है गुरु गीता। जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब खाउंड सिस्टम नहीं था तो बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया।

गुरु तत्व का ज्ञान दिया। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहां है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजी को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गोखाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एचसी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चितोड़िया, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

अपना वक्तव्य देते बोधराज सीकरी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

हरियाणा की आवाज़

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग

गुरुग्राम। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रंथों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात उन्होंने यहां श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही।

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीस पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रंथ है गुरु गीता। जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया। गुरु तत्व का ज्ञान दिया। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे ह्रिंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहां है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजी को संत पुरुष उजागर कर सकते है। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एचसी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चितोडिया, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

सच कहूँ | मच कहुँ 01 Jun 2023 - Page 1

4 एक ऐसा अखबार जिसे पढ़ सकता है एक साथ पूरा परिवार 7

कल, आज और कल वीरवार, 1 जून 2023

सच कहूँ

Sirsa Regd HAR

● ज्येष्ठ शुक्ल 12 - विक्रम संवत् 2080

सच कहूँ | मच कहुँ 15 Jun 2023 - Page 11

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से परिचित कराएं ऋषि: बोधराज सीकरी

● बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग

सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान अपना वक्तव्य देते बोधराज सीकरी।

गुरुग्राम(सच कहूँ न्यूज)।

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रंथों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात उन्होंने यहां श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही। बोधराज सीकरी की हनुमान चालीस पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गई है।

बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रंथ है गुरु गीता। जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया। गुरु तत्व का ज्ञान दिया। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहां है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजी को संत पुरुष उजागर कर सकते है। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एचसी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चित्तोड़िया, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

वीरवार | गुरूग्राम | दिनॉक : 15/6/23

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर–9–ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11–11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5–5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है। इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है "गुरु गीता" जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया । वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार "अगस्त्य संहिता" में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते है। इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम है उजागर करने के लिए। इस मंदिर की आधारशिला प्रातः स्मरणीय, परम पूजनीय स्वामी श्री सुधांशु जी महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। जिसका आभास इस प्रांगण की सकारात्मक ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गद्गद कर दिया। उन्होंने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि "जिंदा जाता नहीं और मरा हुआ बताता नहीं" तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है स इसकी चर्चा बार–बार होती है। अतः स्वर्ग और नरक यही हैं। जब हम सात्विक वातावरण में सत्संग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं।

इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा।गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोडिया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टन्डन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, राजेश चुग, किशोरी डुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लूथरा, अनिल कुमार, वासदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिंदर कथूरिया की उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 62787/2014

रण टाइम्स

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

■ समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

■ युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

राजू गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया।

साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है गुरु गीता जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का ज़िक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हज़ार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया । वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार -अगस्त्य संहिता- में छिपे टेक्नोलॉजी का ज़िक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते है।

इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम है उजागर करने के लिए। इस मंदिर की आधारशिला प्रातः स्मरणीय, परम पूजनीय स्वामी श्री सुधांशु जी महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। जिसका आभास इस प्रांगण की सकारात्मक ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गद्गद कर दिया। उन्होंने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि -जिंदा जाता नहीं और मरा हुआ बताता नहीं- तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है व इसकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्ग और नरक यहीं है। जब हम सात्विक वातावरण में सत्संग कर रहे है तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं।

इस अवसर पर गजेंद्र गोसाईं ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा।गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोड़िया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुराना, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टन्डन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, राजेश चुग, किशोरी डुडेजा, सुरेंद्र खरेजा, दलीप लूथरा, अनिल कुमार, वासदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिंदर कथूरिया की उपस्थिति रही।

3 म्हारा हरियाणा — मोदी का स्वच्छ भारत मिशन बड़ा तो, करें सहयोग : राज्यपाल
6 विचार क्रान्ति — बुजुर्गों पर बढ़ता दुर्व्यवहार संस्कारहीन समाज की पहचान
8 हरियाणा — पतंजलि परिवार 100 स्थानों पर मनाएगे योग दिवस : गौरव सिंगल
10 फीचर — पर्यटन में अलग ही पहचान रखता है मांडू
12 हरियाणा — सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों को प्राथमिकता दें : देवेंद्र सिंह

पेज 11

राष्ट्रीय दैनिक

जगत क्रान्ति

वर्ष : 44 अंक : 164
जीन्द
गुरुवार, 15 जून, 2023
पृष्ठ 12 | मूल्य ₹3

हरियाणा का सर्वमान्य लोकप्रिय हिन्दी दैनिक | E-paper : http://jagatkranti.co.in | E-mail: jagatkrantijind@gmail.com | जीन्द (हरियाणा) से प्रकाशित

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग : सीकरी

जगत क्रान्ति ⏭ एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : सामाजिक संस्था पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष एवं सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की अगुवाई में सैक्टर 9ए स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर परिसर में सुंदर कांड व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गत मंगलवार के आयोजन में 450 श्रद्धालुओं ने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया।

जामपुर शिव मंदिर में 30 श्रद्धालुओं ने 5-5, सुशांत लोक में 22 श्रद्धालुओं ने 7 बार और 2 योगा शिक्षकों सहित 40 श्रद्धालुओं ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया।

इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गई है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ के बारे मे विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से 70 हज़ार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का ज़िक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। गौरतलब है कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

भारत सारथी

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है गुरु गीता जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया । वह टेक्नोलॉजी थी वैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए।

इस मंदिर की आधारशिला प्रातः स्मरणीय, परम पूजनीय स्वामी श्री सुधांशु जी महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। जिसका आभास इस प्रांगण की सकारात्मक ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गद्गद कर दिया। उन्होंने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि जिंदा जाता नहीं और मरा हुआ बताता नहीं तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है या इसकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्ग और नरक यहीं हैं। जब हम सात्विक वातावरण में सत्संग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गोस्वाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चिलोडिया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज डींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अरविन्दो वर्मा, रणधीर टन्डन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, राजेश चुग, किशोरी डुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लूथरा, अनिल कुमार, वासदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिंदर कथूरिया की उपस्थिति रही।

अमर भारती
संस्करण एक उम्मीद

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि: बोधराज सीकरी

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रंथों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात उन्होंने यहां श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही।बोधराज सीकरी की हनुमान चालीस पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9ए स्थित

चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एचसी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चिलोड़िया, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

Bharat Sarathi
A Complete News Website

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया।

साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है "गुरु गीता" जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी वैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार "अगस्त्य संहिता" में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते है।

इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथो में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतो से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम है उजागर करने के लिए।

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

ajeybharat Wednesday, June 14, 2023

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी